भारत – मलेशिया संबंध

भारत ने 1957 में मलाया परिसंघ (मलेशिया का पूर्ववर्ती राज्य) के साथ 1957 में राजनयिक संबंध स्थापित किए। क्वालालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग के माध्यम से मलेशिया में भारत का प्रतिनिधित्व होता है। भारत में मलेशिया का प्रतिनिधित्व नई दिल्ली में उनके उच्चायोग तथा मुंबई एवं चेन्नई में कांसुलेट जनरल के माध्यम से होता है।

वी वी आई पी यात्राएं : भारत एवं मलेशिया के बीच घनिष्ट एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं तथा नियमित स्तर पर शिखर स्तरीय बैठकें होती हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद नजीब टुन रजाक ने जनवरी 2010 में और फिर आसियान - भारत संस्मारक शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 20 और 21 दिसंबर 2012 को भारत का दौरा किया।

मलेशिया के प्रधानमंत्री माननीय दातो श्री मोहम्मद नजीब टुन अब्दुल रजाक के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 23 नवंबर 2015 को मलेशिया का आधिकारिक दौरा किया। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 और 22 नवंबर 2015 को आसियान - भारत शिखर बैठक तथा पूर्वी एशिया शिखर बैठक में भाग लिया था। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने पुत्रजय में आधिकारिक वार्ता की तथा क्वालालंपुर में ब्रिक फील्ड में तोरण गेट का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया, जो भारत - मलेशिया मैत्री के प्रतीक के रूप में भारत की ओर से मलेशिया का दिया गया उपहार है।

2010 में दोनों देशों के बीच निर्मित सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए यात्रा के बाद अधिक सामरिक साझेदारी के लिए एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने विद्यमान क्षेत्रों में सहयोग को गहन करके और सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाकर सामरिक साझेदारी को नयी ऊंचाई पर ले जाने के अपने दृढ़ निश्चय की फिर से पुष्टि की। दोनों प्रधानमंत्री सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम (2015-2020) पर करार तथा परियोजना डिलीवरी एवं निगरानी में सहयोग और साइबर सुरक्षा में सहयोग पर दो समझौता ज्ञापनों (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर के भी साक्षी बने।

भारत की ओर से मंत्री स्तर की यात्राएं

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने आर सी ई पी अंतर-सत्रीय मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए 12 से 14 जुलाई 2015 के दौरान मलेशिया का दौरा किया। उन्होंने अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। उन्होंने मलेशिया के सी ई ओ की सभा को संबोधित किया, जिसका आयोजन मलेशिया - भारत व्यवसाय परिषद (एम आई बी सी) और मलेशिया में भारतीय उद्योग संघ (सी आई आई एम) द्वारा किया गया था।

विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) विजय कुमार सिंह ने 48वीं आसियान विदेश मंत्री बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में 13वीं आसियान - भारत विदेश मंत्री बैठक, 5वीं पूर्वी एशिया शिखर बैठक विदेश मंत्री बैठक और 22वें आसियान क्षेत्रीय मंच में भाग लेने के लिए 4 से 7 अगस्त 2015 के दौरान मलेशिया का दौरा किया। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) ने मलेशिया के विदेश मंत्री दातो श्री अनीफाह हाजी अमान के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) ने मलेशिया के माननीय उप विदेश मंत्री दातुक सेरी रीजल मेरिकन नैना मेरिकन के साथ संयुक्त रूप से आसियान - भारत थिंक टैंक नेटवर्क की चौथी बैठक का उद्घाटन किया, जिसे क्वालालंपुर में अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आर आई एस) और सामरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (आई एस आई एस), मलेशिया द्वारा आयोजित किया गया था।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने 23 और 24 अगस्त 2015 के दौरान क्वालालंपुर में आयोजित आसियान ई ए एस / आसियान - भारत वित्त मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए पुन: मलेशिया का दौरा किया। मलेशिया - भारत सी ई ओ मंच का आयोजन उनकी यात्रा के दौरान किया गया।

माननीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर पार्रिकर के नेतृत्व में भारतीय शिष्ट मंडल ने 3 और 4 नवंबर 2015 के दौरान आसियान रक्षा मंत्री बैठक प्लस (ए डी एम एम प्लस) में भाग लिया। ए डी एम एम प्लस के दौरान अतिरिक्त समय में रक्षा मंत्री ने अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

राष्ट्रमंडल के पीठासीन अधिकारियों तथा स्पीकरों के 23वें सम्मेलन के संदर्भ में माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन तथा राज्य सभा के माननीय उप सभापति प्रोफेसर (डा.) पी जे कुरियन ने 9 से 13 जनवरी 2016 के दौरान कोटा किनाबालू, मलेशिया का दौरा किया।

मलेशिया की ओर से मंत्री स्तर की यात्राएं

एक बड़े कारोबारी शिष्टमंडल के साथ मलेशिया के निर्माण मंत्री दातो श्री फदिल्ला यूसुफ ने अक्टूबर 2015 में भारत का दौरा किया तथा माननीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग तथा जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गडकरी; माननीय शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री एम वेंकैया नायडू और माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन से मुलाकात की। मलेशिया के मंत्री ने राजस्थान की मुख्य मंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे से भी मुलाकात की।

उप गृह मंत्री महामहिम दातुक नूर जजलान मोहम्मद ने इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित आतंकवाद रोधी सम्मेलन (सी टी सी) 2016 में भाग लेने के लिए 2 से 4 फरवरी 2016 के दौरान जयपुर का दौरा किया। सम्मेलन के दौरान अतिरिक्त समय में उन्होंने माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल के साथ बैठक की।

संयुक्त आयोग की बैठक : दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के नेतृत्व में भारत – मलेशिया संयुक्त आयोग की पिछली बैठक 3 मई, 2011 को क्वालालंपुर में हुई जिसमें द्विपक्षीय संबंध के सभी क्षेत्रों की समीक्षा की गई। दोनों देशों के बीच विदेश सचिव के स्तर पर विदेश कार्यालय परामर्श का भी एक तंत्र है तथा इसकी पिछली बैठक 20 जनवरी, 2015 को नई दिल्ली में हुई थी।

संसदीय अंत:क्रिया : मलेशिया के दीवान रकयात (प्रतिनिधि सदन – निचला सदन) के स्पीकर श्री पंडीकर अमिन मुलिया ने जुलाई, 2013 में भारत का दौरा किया तथा लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात की। मलेशिया की संसद ने लोक सभा अध्यक्ष को भारत के संसद सदस्यों के एक शिष्टमंडल के साथ मलेशिया का दौरा करने का निमंत्रण दिया।

करार एवं एमओयू : दोनों देशों के बीच अनेक करारों एवं एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें वाणिज्य, दोहरे कराधान का परिहार, सीमा शुल्क से जुड़े मामले, उच्च शिक्षा, प्रत्यर्पण, आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता, पर्यटन, परंपरागत दवा, आईटी एवं सेवा, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम, लोक प्रशासन एवं अभिशासन आदि जैसे क्षेत्रों में किए गए गरार / एम ओ यू शामिल हैं।

रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग भारत और मलेशिया के बीच रक्षा संबंध पिछले वर्षों में निरंतर बढ़ रहा है। वर्ष 1993 में रक्षा सहयोग पर एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा एक – दूसरे देश की यात्राएं की गई हैं तथा मलेशिया के रक्षा मंत्री की भारत की पिछली यात्रा वर्ष 2006 में हुई थी तथा भारत के रक्षा ने जनवरी, 2015 में मलेशिया की यात्रा की थी। रक्षा सचिव के स्तर पर मलेशिया - भारत रक्षा सहयोग बैठकें तथा तीनों सेनाओं के बीच स्टाफ वार्ता का भी आयोजन किया जाता है। दोनों देशों के बीच संयुक्त अभ्यास "हरिमाऊ शक्ति" का आयोजन होता है। सु-30 एस के एम एयरक्राफ्ट पर मलेशिया के पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय वायु सेना की प्रशिक्षण टीम को वर्ष 2008 से 2010 तक मलेशिया में तैनात किया गया। भारतीय नौसेना के पोत भी नियमित रूप से मलेशिया के बंदरगाहों का दौरा करते हैं, पिछली यात्रा जून, 2015 में पूर्वी बेड़े के जलयान की केमामन बंदरगाह की यात्रा थी।

8 मार्च, 2014 को क्वालालंपुर से बीजिंग के लिए उड़ान भरने वाली मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एम एच 370 के गायब होने के सामाचार के बाद भारत ने मलेशिया के प्राधिकारियों को सभी

आवश्यक सहायता प्रदान की तथा शुरू में बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में तलाशी के कार्य में पोतो एवं 5 एयरक्राफ्ट को तैनात किया और इसके बाद तलाशी के कार्य में मदद के लिए सुबांग एयरपोर्ट, मलेशिया में दो तलाशी एवं बचाव एयरक्राफ्ट नामत: सी 130 जे एवं पी-8 आई को तैनात किया।

आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग आसियान के अंदर भारत के लिए मलेशिया तीसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है तथा भारत दक्षिण के देशों से मलेशिया के लिए सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और दक्षिण के देशों में चीन को छोड़कर भारत मलेशिया का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। भारत और मलेशिया द्वारा 1 जुलाई, 2010 को व्यापक आर्थिक सहयोग करार (सी ई सी ए) पर हस्ताक्षर किया गया, जो 1 जुलाई, 2011 से लागू हो गया है। व्यापक आर्थिक सहयोग करार के तहत माल, सेवा, निवेश तथा सहयोग के अन्य क्षेत्र शामिल हैं। व्यापक आर्थिक सहयोग करार की पहली समीक्षा 8 -9 दिसंबर, 2014 को नई दिल्ली में हुई।

2014-15 में भारत और मलेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 16.93 बिलियन अमरीकी डालर था (मलेशिया को भारत के निर्यात का मूल्य 5.8 बिलियन अमरीकी डालर और आयात का मूल्य 11.11 बिलियन अमरीकी डालर था) जबकि 2013-14 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 13.43 बिलियन अमरीकी डालर था। व्यापार मलेशिया के पक्ष में महत्वपूर्ण रूप से झुका हुआ है।

मलेशिया भारत में निवेश करने वाले महत्वपूर्ण देशों में से एक है। अनुमान है कि यदि मॉरीशस रूट को भी शामिल कर लिया जाए, तो भारत में मलेशिया का निवेश 7 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास हो सकता है। तथापि, उपलब्ध डाटा के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में 732 मिलियन अमरीकी डालर के एफ डी आई अंत:प्रवाह के साथ मलेशिया इस समय भारत में 23 वां सबसे बड़ा निवेशक है। दूसरी ओर, मलेशियाई निवेश विकास प्राधिकरण (एम आई डी ए) के अनुसार 1980 से 2014 के दौरान मलेशिया में भारत के संचयी निवेश का मूल्य 2.31 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास है जिसमें जनवरी से दिसंबर 2014 के दौरान 225.50 मिलियन अमरीकी डालर के निवेश शामिल हैं।

संपर्क एवं पर्यटन : भारत में 6 प्रमुख डेस्टिनेशन के लिए सीटों की संख्या उत्तरोत्तर बढ़ाने तथा अनेक डेस्टिनेशन का प्रावधान करने एवं भारत – मलेशिया रूप पर किसी भी संस्था में एयरलाइंस चलाने के लिए वर्ष 2007 में एक द्विपक्षीय करार के बाद दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क में काफी सुधार हुआ है। इस समय दोनों देशों के बीच 170 से अधिक उड़ाने हैं, जिसमें से अधिकतर का प्रचालन मलेशिया की विमानन कंपनियों द्वारा किया जा रहा है।

मलेशिया के लिए इनबाउंड पर्यटन के लिए भारत छठवां सबसे बड़ा स्रोत देश है तथा वर्ष 2014 में 9 लाख से अधिक भारतीय पर्यटकों ने मलेशिया का दौरा किया। दूसरी ओर, मलेशिया भारत में विदेशी पर्यटकों का दसवां सबसे बड़ा स्रोत देश है तथा वर्ष 2014 में मलेशिया के 1.6 लाख पर्यटकों ने भारत का दौरा किया। भारत और मलेशिया ने वर्ष 2010 से पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर भी हस्ताक्षर किया है।

शिक्षा सहयोग : इस समय भारत से 1500 छात्र मलेशिया में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा मलेशिया के लगभग 1500 छात्रों ने भारतीय कालेजों में अपना नामांकन कराया है। जनवरी 2010 से भारत एवं मलेशिया के बीच उच्च शिक्षा पर भी एक एम ओ यू है। इसके अलावा, भारत मलेशिया के लिए आई टी ई सी के तहत लगभग 25 स्लॉटों तथा कोलंबों योजना के तहत 5 स्लॉटों की भी पेशकश करता है। भारत के विश्वविद्यालय में स्नातक, स्नात्कोत्तर एवं शोध कार्यक्रमों में पढ़ाई के लिए भारत लगभग 30 छात्रवृत्तियों की भी पेशकश करता है।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (**आई सी सी**) : भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) के तहत भारतीय सांस्कृतिक केंद्र फरवरी, 2010 में स्थापित किया गया तथा यह भारत एवं मलेशिया के प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से कार्नोटिक वोकल, कथक नृत्य, योग, हिंदी भाषा एवं तबला में कक्षाएं चलाता है। मलेशिया की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र रखने की घोषणा की।

परंपरगत दवा : भारत और मलेशिया ने अक्टूबर, 2010 में परंपरागत दवा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया। मलेशिया के स्वास्थ्य मंत्रालय का परंपरगत एवं समकालीन दवा (टी सी एम) प्रभाग मलेशिया में आयुष की पद्धतियों को लोकप्रिय बनाने के लिए काम कर रहा है। आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी एवं होमियोपैथी की मलेशिया में प्रैक्टिस होती है। वर्ष 2010 से आई सी सी में आयुष सूचना प्रकोष्ठ के अलावा, पिछले 4 साल के लिए मलेशिया में एक आयुर्वेदिक डाक्टर एवं दो थिरेपिस्ट को प्रतिनियुक्त किया गया है। व्याख्यान देने, परामर्श करने, सेमिनार आयोजित करने तथा मलेशिया के डाक्टरों, पेशेवरों एवं अन्यों को आवधिक प्रशिक्षण देने के लिए अल्प अवधि के लिए आयुष विशेषज्ञ भी समय – समय पर प्रतिनियुक्त किए जा रहे हैं (अब तक आयुर्वेद के 3 विशेषज्ञ तथा सिद्धा के 2 विशेषज्ञ प्रतिनियुक्त किए गए हैं)। भारत भारतीय संस्थानों / कालेजों में परंपरागत दवाओं का अध्ययन करने के लिए मलेशिया के नागरिकों के लिए 20 छात्रवृत्तियों की भी पेशकश करता है। भारतीय उच्चायोग द्वारा आयुर्वेद के प्रैक्टिशनर्स में प्रसार के लिए अंग्रेजी एवं बहासा मलेशिया भाषा में आयुर्वेद पर एक पुस्तक छपवाई गई है।

श्रम एवं प्रवासी : मलेशिया में पंजीकृत भारतीय श्रमिकों की संख्या 1,45000 से अधिक है, जबकि अनुमान है कि मलेशिया में लगभग 75,000 श्रमिक ऐसे हैं जिनके पास मुकम्मल दस्तावेज नहीं हैं। इसके अलावा 90,000 से अधिक भारतीय प्रवासी पेशेवर तथा कुशल एवं अर्ध-कुशल श्रेणी के तहत मलेशिया में काम कर रहे हैं। जनवरी, 2009 में हस्तांतरित रोजगार एवं मजदूरों के कल्याण पर एक द्विपक्षीय एम ओ यू के माध्यम से भारती मजदूरों से संबंधित शिकायतों से निपटने के लिए एक संस्थानिक रूपरेखा स्थापित की गई है। भारतीय उच्चायोग यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रहा है कि भारतीय श्रमिकों के कल्याण का ध्यान रखा जाए तथा भारत वापसी पर उनकी मदद की जा सके।

भारतीय मूल के व्यक्ति (पी आई ओ) : मलेशिया विश्व के ऐसे देशों में से एक है जहां भारतीय मूल के व्यक्ति सबसे अधिक संख्या में हैं, जो 2 मिलियन से अधिक है (जो मलेशिया की कुल आबादी का 7 से 8 प्रतिशत है)। भारतीय मूल के व्यक्तियों में सबसे अधिक संख्या तमिलों की है तथा मलयालयी, तेलगू, सिख, गुजराती, बंगाली, सिंधी और मराठी समुदाय का भी अच्छा खासा प्रतिनिधित्व है। भारतीय मुसलमानों की भी अच्छी खासी संख्या है जिनको भूमि पुत्र समझा जाता है।

मलेशियन इंडिया कांग्रेस (एम आई सी) जो मलेशियाई भारतीय समुदाय का राजनीतिक दल है, सत्ताधारी गठबंधन "बैरिसन नेशनल" का हिस्सा है। भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य राजनीतिक दल भी हैं। मलेशिया इंडियन मुस्लिम कांग्रेस (के आई एम एम ए) भारतीय मुसलमानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक अन्य राजनीतिक दल है। कैबिनेट में भारतीय मूल के 4 मंत्री / उप मंत्री हैं।

मलेशिया प्रवासी भारतीय दिवस के लिए सबसे बड़ा दल भेजता रहा है तथा इस समय मलेशिया से भारतीय प्रवासी सम्मान पाने वाले लोगों की संख्या 5 है जिनके नाम इस प्रकार हैं – दातो सेरी सामीवेल्लु, तान श्री सोमासुंदरम, तान श्री वादिवेलो, तान श्री अजित सिंह एवं तान श्री दातुक रविंद्रन मेनन। 7 से 9 जनवरी, 2014 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 12वें प्रवासी भारतीय दिवस में मलेशिया के प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण मंत्री तथा मलेशियाई भारतीय कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष दातुक सेरी जी पालानिवेल मुख्य अतिथि थे।

आसियान : मलेशिया ने जनवरी, 2015 में आसियान की अध्यक्षता ग्रहण की है। इसके तहत भारत – आसियान शिखर बैठक एवं पूर्वी एशिया शिखर बैठक का आयोजन वर्ष 2015 में मलेशिया में होगा। प्रधानमंत्री ने 21 नवंबर 2015 को आसियान - भारत शिखर बैठक में भाग लिया। भारत और मलेशिया के प्रधानमंत्रियों के बीच आधिकारिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने आसियान और भारत के बीच विशेष रूप से नई दिल्ली में 2012 में आसियान - भारत संस्मारक शिखर बैठक में साझेदारी को सामरिक साझेदारी के रूप में स्तरोन्नत किए जाने के बाद से संबंधों में वृद्धि का स्वागत किया तथा 5 अगस्त 2015 को क्वालालंपुर में आसियान - भारत मंत्री स्तरीय बैठक में शांति, प्रगति और साझी

समृद्धि के लिए आसियान - भारत साझेदारी को लागू करने के लिए नई कार्य योजना (2016-2020) को आसियान एवं भारत द्वारा अपनाए जाने को नोट किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, क्वालालंपुर की वेबसाइट :
http://www.indianhighcommission.com.my/
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, क्वालांलपुर की वेबसाइट
http://www.icckl.com.my/

*****

जनवरी, 2016